0012

This question paper contains 3 printed pages.]

Your Roll No. ....

8160 **A**

M.Ed.

Course—4.5–R.1

EQUALITY & EDUCATION : SOCIOLOGICAL PERSPECTIVE

Time : 2 *Hours* *Maximum Marks* : 35

(*Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.*)

Answer ***three*** *questions in all.*

Q. No. **3** *is compulsory.*

कुल **तीन** प्रश्न कीजिए।

प्रश्न सं. **तीन** अनिवार्य है।

1. For equality in education, just equality of educational opportunities is not enough. For it those physical conditions are also necessary in which the oppressed-disadvantaged and marginalised people of society may also get equal opportunity to succeed. Critically comment on this statement in the light of educational experiences of the scheduled castes-tribes in India. 11

शिक्षा में समानता के लिए शैक्षिक अवसरों की समानता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि वह भौतिक स्थितियाँ भी जरूरी हैं जिसमें समाज के दलित-वंचित

तथा हाशिए के लोग सफलता के समान अवसर पा सकें। भारत में अनुसूचित जाति-जनजाति के शैक्षिक अनुभवों के आलोक में इस कथन की समीक्षा कीजिए।

2. In educational sociology one of the views is that equality in education—in this context the various academic examinations may be cited as examples—provides upward mobility to the oppressed and the disadvantaged in the society; which helps in social change, whereas others maintain that such a view is deceptive as till today, education has been working towards perpetuating status quo and social regeneration only. In the context of educational reality in India, where do you find yourself vis-a-vis the above? Do you subscribe to the former view or to the latter or stand somewhere in between the two? Justify your stand point with reasons. 11

शिक्षा के समाजशास्त्र में एक मत का मानना है कि शिक्षा में समानता—उदाहरण के लिए विभिन्न अकादमिक परीक्षाओं को लिया जा सकता है—समाज में दलित-वंचितों के सन्दर्भ में ऊर्ध्वमुखी गतिशीलता पैदा करती है और इससे सामाजिक परिवर्तन में मदद मिलती है, दूसरी तरफ एक-दूसरे मत का कहना है कि ऐसा मानना एक भ्रामक बात है, क्योंकि आज तक शिक्षा यथास्थिति को बरकरार रखने वाली एवं सामाजिक पुनर्जनन का काम ही करती आई है। भारतीय शैक्षिक यथार्थ के सन्दर्भ में आप अपने आप को किस मत के करीब पाते हैं अथवा कहीं मध्य में पाते हैं? तर्कपूर्ण विवेचना कीजिए।

3. In the context of academic criticisms of de-schooling, discuss the changes being brought about in the text books, courses and curricula in the last few decades and examine the Right to Education Act. 13

पिछले कुछ दशकों में पाठ्य-पुस्तकों, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्याओं में आ रहे परिवर्तनों एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आर. टी. ई.) की समीक्षा वि-स्कूलीकरण की शैक्षिक आलोचनाओं के सन्दर्भ में कीजिए।

4. In the context of Indian educational scenario, analyse the status of the value of equality with particular emphasis on gender as a category. 11

भारतीय शिक्षा के परिदृश्य में समानता के मूल्य की स्थिति का विश्लेषण लिंग नामक कोटि का इस्तेमाल करते हुए कीजिए।

5. Comment in brief on any ***two*** of the following : 11

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

(a) Centralised, non-flexible, unreferenced text books and the Dalit experience

केन्द्रीकृत, गैर-लचीली, अ-सन्दर्भित पाठ्यपुस्तकें एवं दलित अनुभव।

(b) Main stream of Indian schools and academic criticisms of deschooling.

मुख्य धारा के भारतीय स्कूल एवं वि-स्कूलीकरण की शैक्षिक समालोचना।

(c) Opportunity in educational equality for the Dalits and Vertical development.

दलितों के लिए शैक्षिक समानता के अवसर एवं ऊर्ध्वमुखी विकास।